

# フエーレー口説

本調子

1/2

|   |   |   |   |     |     |    |    |   |   |
|---|---|---|---|-----|-----|----|----|---|---|
| 工 | 四 | 乙 | 四 | 合尺工 | 合尺工 | 五  | 七  | 五 | 工 |
|   |   |   |   | さて  | む   | くぬ | ゆ  | ぬ | ま |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    |    |   |   |
|   |   |   |   | さて  |     |    | </ |   |   |

|   |   |   |   |    |   |     |     |   |   |     |
|---|---|---|---|----|---|-----|-----|---|---|-----|
| 尺 | 工 | 五 | 工 | 尺  | 上 | 老   | 上   | 尺 | 工 | 合尺工 |
| ん | な | か | に | と  | び | で   | いたる | む | ん | や   |
|   |   |   |   | とび | で | いたる | む   | ん | や | ひ   |

|   |   |   |   |   |     |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|-----|---|---|---|---|---|---|---|
| 五 | 工 | 尺 | 王 | 四 | 合尺工 | 五 | 四 | 乙 | 四 | 合 | 尺 | 合 |
| と | ぬ | さ | ん |   | わざ  | ゆ | わ | ぎ | す | る |   | は |

|   |   |   |   |   |   |   |   |      |   |   |    |
|---|---|---|---|---|---|---|---|------|---|---|----|
| 乙 | 四 | 上 | 四 | 工 | 四 | 乙 | 四 | 工    | 四 | 乙 | 四  |
| ん | ば | む | ん |   |   |   |   | んだまじ | い | ち | んだ |
|   |   |   |   |   |   |   |   | た    | う |   |    |

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 工 | 四 | 乙 | 四 | 工 | 四 | 乙 | 四 | 工 | 四 | 乙 | 四 |
| か | じ | ゆ | う | さ | ん | と | う | し | ぐ | る | う |
|   |   |   |   | ま | で | い | や | ま | と | む | ぬ |

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 工 | 四 | 乙 | 四 | 工 | 四 | 乙 | 四 | 工 | 四 | 乙 | 四 |
| じ | ゆ | う | し | ち | は | ち | く | る | い | な | ぐ |
|   |   |   |   | に | ふ | ら | つ | て | い | あ | つ |

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 工 | 四 | 乙 | 四 | 工 | 四 | 乙 | 四 | 工 | 四 | 乙 | 四 |
| い | あ | ら | に | ！ | や | み | ！ | や | さ | ！ |   |

一、さていむくぬ世ぬ 真ん中に  
とびでたる者や 人ぬさん  
業ゆ業する 半端者  
セリフ  
んだまじ言ちんだ 十か十三年頃う  
までいや まとむる童ぬ 我んねえ  
やたしが 十七、八頃女に振らつて  
いあっぱんがらあむ 事ぬ始まい  
あらに！ やみ！ やさ！

二、世間 口舌 恐ろしや  
我したシンカに フェーレーど  
盗人呼ばわい またすしが  
セリフ  
我んにん言ちんだ 一回ぬ過ち 世  
間のお許さん 我面見んでえ フェ  
ーレーどおーい！ 道ゆ歩みば 盗  
人どおーい！ 余所ぬどう 我んね  
え フェーレーなちええる  
盗人なちええる あらに！ やみ  
！ しら！

三、フエーレーフェーレーとう 呼ばつ  
ていん 人ぬ命や取やびらん  
女心ゆ取てい暮らす  
セリフ  
さていさてい 言ちんだ まあぬ親  
やれえ フェーレー成すんでき あ  
たら産子ゆ 育ていみしえが 親ぬ  
ゆし事 風に流ちよてい 胴勝手さ  
い キツチャキまるびし  
落ちていポン！ 下がていポン！  
あらに！ やみ！ やさ！

四、肝ぬ有様や 牡丹花  
かあぎ姿ん 人並みに  
有とおてい 遊びぬ ゆう過じてい  
セリフ  
はたまた言ちんだ 元銭かからん  
取者大工ぬ 怖りてい這ういし フェ  
ーレーからん 真心盗むる 女ぬ  
色香や ちつとう用心 心得てい香  
すし  
おー！ あらに！ やみ！ やさ！